हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 24 : जौनपुर, बुधवार 18 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

शोषित और उपेक्षित लोगों के लिए सोनेलाल पटेल का संघर्ष अविस्मरणीय : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपना दल के संस्थापक डॉक्टर सोनेलाल पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि शोषित और उपेक्षित लोगों के लिए उनका संघर्ष अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को सोशल साइट एक्स पर अपने संदेश में कहा कि सामाजिक न्याय के सशक्त हस्ताक्षर, अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल की पुण्यतिथि 17 अक्टूबर पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! जिन सामाजिक विषयों को लेकर वे आजीवन मुखर रहे, उस दिशा में नए भारत में व्यापक परिवर्तन हुआ है। शोषित और उपेक्षितों के लिए उनका संघर्ष अविस्मरणीय है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर डॉक्टर पटेल को

श्रद्धांजलि में कहा कि सामाजिक न्याय और समरसता के प्रखर प्रणेता तथा किसानों, अति पिछड़ों, वंचितों एवं शोषितों के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल अपना दल एसकी ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल के परिनिर्वाण दिवस 17 अक्टूबर पर प्रतापगढ़ के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में मंगलवार को विशाल संकल्प सभा का आयोजन किया गया है।सभा को मुख्य अतिथि के तौर पर अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल हैं। अपना दल की स्थापना अनुप्रिया के पिता और लंबे समय तक बसपा संस्थापक कांशीराम के अनुयायी रहे डॉक्टर सोनेलाल पटेल ने उनसे मनमुटाव के बाद वर्ष 1995 में की थी। 2009 में एक हादसे में डॉक्टर पटेल का निधन हो गया था। उनके निधन के बाद उनकी पत्घ्नी कृष्णा पटेल ने पार्टी का नेतृत्व संभाला और बेटी अनुप्रिया पार्टी की महासचिव बनीं। 2012 में अनुप्रिया पटेल पहली बार वाराणसी के रोहनिया विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुनी गईं और 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी ने भाजपा से गठबंधन किया। 2014 में मिर्जापुर संसदीय क्षेत्र से सांसद चुने जाने के बाद अनुप्रिया को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के पहले कार्यकाल में मंत्रिपरिषद विस्तार में मंत्री बनने का मौका मिला और इसके बाद से ही मां–बेटी के बीच मनमुटाव शुरू हो गया। 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले अपना दल दोफाड़ हो गया। अनुप्रिया ने भाजपा गठबंधन से अपनी पार्टी का चुनाव लड़ा और विधानसभा में उनके नौ विधायक जीते। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा गठबंधन से उनके 12 विधायक चुनाव जीते और अनुप्रिया के नेतृत्व में पार्टी राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई।निर्वाचन आयोग ने अपना दल एस को राज्य स्तरीय पार्टी का दर्जा दिया। इस समय उप्र की 403 सदस्यीय विधानसभा में अपना दल (एस) के 13 विधायक हैं, जो संख्या बल के हिसाब से विधानसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है।

समलैंगिक साथ रह सकते हैं, सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता नहीं : सुप्रीम कोर्ट

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की गुहार मंगलवार को ठुकरा दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग तीन–दो के बहुत से खारिज कर दी जबकि हिंसा, जबरदस्ती या हस्तक्षेप के किसी भी खतरे के बिना सहवास के उनके अधिकार को बरकरार रखा। संविधान पीठ ने बहुमत के फैसले में कहा कि कानून समान लिंग वाले जोड़ों के विवाह के अधिकार को मान्यता नहीं देता है। इस पर कानून बनाना संसद पर निर्भर है।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति कौल ने विवाह के अधिकार को पढ़ा और ऐसे समान लिंग वाले जोड़ों को परिणामी लाभ देने के अपने अधिकार को बरकरार रखा। दूसरी ओर न्यायमूर्ति भट, न्यायमूर्ति कोहली और न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने समान लिंग वाले जोड़ों की शादी को मान्यता देने से इनकार कर दिया। संविधान पीठ के सदस्यों ने हालांकि एकमत से केंद्र सरकार के इस बयान को रिकॉर्ड में लिया कि वह समलैंगिक जोड़ों को दिए जाने वाले अधिकारों और लाभों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक समिति का गठन करेगी। बच्चा गोद लेने के मामले में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति कौल ने समलैंगिक जोड़ों को अधिकार दिया, लेकिन अन्य तीन न्यायाधीशों इस दृष्टिकोण से असहमति जताई और समलैंगिक तथा अविवाहित जोड़ों को गोद लेने से बाहर रखने वाले सीएआरए नियमों की वैधता को बरकरार रखा। हालांकि सभी पांचों जजों ने केंद्र की समिति को विचार करने को कहा है। समलैंगिक विवाह को मान्यता नहीं दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव करने का अधिकार केवल संसद के पास है। समलैंगिक साथ रह सकते हैं, लेकिन विवाह को मान्यता नहीं दी जा सकती।

तेलंगाना बीएसपी ने महिला श्रमिकों को स्मार्टफोन, वॉशिंग मशीन देने का वादा किया

एजेन्सी

हैदराबाद। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने तेलंगाना में महिला श्रमिकों और किसानों के लिए मुफ्त स्मार्टफोन और वॉशिंग मशीन देने का वादा किया है। पार्टी ने मंगलवार को अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया है। जिसमें महिला कार्यकर्ताओं के लिए मुफ्त ड्राइविंग प्रशिक्षण का भी वादा किया गया है। पार्टी ने अगले पांच वर्षों में युवाओं के लिए 10 लाख नौकरियों का भी आश्वासन दिया है। इनमें से 50 प्रतिशत नौकरियां महिलाओं को दी जाएंगी। पार्टी ने प्रत्येक भूमिहीन परिवार को एक एकड़ जमीन देने का भी वादा किया है। भूमि का पट्टा महिलाओं के नाम पर जारी किया जाएगा। बेघरों को 550 वर्ग गज का मकान आवंटित किया जाएगा। सरकार आवास निर्माण के लिए 6 लाख रुपये भी देगी। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष आर.एस. प्रवीण कुमार ने बहुजन भरोसा शीर्षक से घोषणापत्र जारी किया। जिसमें राज्य मंत्रिमंडल में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का वादा किया गया है। पार्टी ने छात्र नेताओं को छाया (शैडो) मंत्री बनाने का भी वादा किया। घोषणापत्र जारी करने से पहले, बसपा नेता ने प्रवालिका की तस्वीर पर माला चढ़ाई। प्रवालिका ने पिछले सप्ताह कथित तौर पर नौकरी भर्ती परीक्षाओं को स्थगित करने के कारण आत्महत्या कर ली थी। बीएसपी ने सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों के लिए सब्सिडी का भी आश्वासन दिया। इसने केसीआर सरकार द्वारा शुरू की गई भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली, धरणी पोर्टल को खत्म करने का भी वादा किया। सत्ता में आने पर बसपा हर मंडल में एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल स्थापित करेगी। प्रत्येक वर्ष प्रत्येक मंडल से 100 विद्यार्थियों को विदेश में शिक्षा प्रदान की जायेगी। प्रवीण कुमार ने कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में श्रमिकों को 350 रुपये की न्यूनतम दैनिक मजदूरी के साथ हर साल 150 दिनों के लिए सुनिश्चित रोजगार प्रदान किया जाएगा। उन्हें मुफ्त परिवहन और स्वास्थ्य बीमा भी दिया जाएगा। बसपा ने प्रत्येक परिवार के लिए 15 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा का भी वादा किया है। हर साल पोषण और स्वास्थ्य बजट पर 25,000 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। सत्ता में आने पर पार्टी खाड़ी प्रवासी श्रमिकों के कल्याण के लिए 5,000 करोड़ रुपये से एक बोर्ड भी स्थापित करेगी। घोषणापत्र में यह आश्वासन दिया गया है कि आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवाओं को नियमित किया जाएगा। बसपा पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह अगले महीने होने वाला विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। इसने इस महीने की शुरुआत में 20 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की।

सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कथित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसौदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस संजीव खन्ना और एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने सिसोदिया की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस.वी. राजू की दलीलें सुनी। सोमवार को शीर्ष अदालत ने सीबीआई और ईडी से कहा था कि वे दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामलों में सिसोदिया को हमेशा के लिए जेल में नहीं रख सकते और एएसजी से पूछा था कि निचली अदालत में सिसोदिया के खिलाफ आरोप पर बहस कब शुरू होगी।

भाजपा के लिए चुनौती, मध्यप्रदेश में 2018 के चुनावी जंग के उम्मीदवार आए आमने–सामने

एजेन्सी

भेपाल। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले के राऊ क्षेत्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की ओर से इस बार भी वे ही उम्मीदवार आमने–सामने हैं जो वर्ष 2018 के पिछले विधानसभा चुनावों में भिड़े थे। कांग्रेस ने मौजूदा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री जीतू पटवारी (49) को इस क्षेत्र से लगातार चौथी बार मैदान में उतारा है, तो भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेता मधु वर्मा (71) पर सतत दूसरी बार दांव लगाया है। पटवारी ने वर्ष 2018 के पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान वर्मा को 5,703 मतों के नजदीकी अंतर से हराया था। इंदौर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को समेटने वाली राऊ सीट पर 3.56 लाख मतदाता 17 नवंबर को उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इस सीट पर वर्ष 2008 से लेकर 2018 के बीच तीन बार चुनाव हुए हैं। 2008 के चुनावों में पटवारी को भाजपा उम्मीदवार जीतू जिराती के हाथों हार का सामना करना पड़ा था, जबकि 2013 और 2018 के चुनावों में पटवारी ने लगातार दो बार जीत हासिल की। पटवारी को जीत की 'हैट्रिक बनाने

से रोकने के लिए भाजपा की ओर से चुनावी मोर्चा संभाल रहे वर्मा ने पीटीआई–भाषा से बातचीत में आरोप लगाया कि पिछली कमलनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री रहने के बावजूद पटवारी राऊ क्षेत्र के मतदाताओं को बड़े सरकारी अस्पताल की बुनियादी सुविधा देने का वादा निभाने में नाकाम साबित हुए हैं। इंदौर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष वर्मा का दावा है कि राऊ क्षेत्र का विकास प्रदेश की भाजपा सरकार की देन है। उधर, पटवारी ने वर्मा का आरोप खारिज करते हुए कहा,''राऊ, सूबे के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के परंपरागत निर्वाचन क्षेत्र बुधनी से भी ज्यादा विकसित है। पटवारी ने वर्मा की उम्र पर इशारों ही इशारों में निशाना साधते हुए कहा,''वर्मा मेरे पितातुल्य और अच्छे इंसान हैं, लेकिन भारतीय परंपराओं में स्पष्ट है कि एक वक्त के बाद घर के कामों की जिम्मेदारी बेटे को ही संभालनी पड़ती है और पिता केवल मार्गदर्शन करता है। मैं अपने पितातुल्य वर्मा से जीत का आशीर्वाद लूंगा। पटवारी पर पलटवार करते हुए वर्मा ने कहा,''जनहित के कामों का किसी व्यक्ति की उम्र से कोई ताल्लुक नहीं होता। मुझसे कम उम्र का होने पर भी पटवारी ने राऊ क्षेत्र के लोगों की चिंता नहीं की। यही वजह है कि मुझ जैसे पिता सरीखे व्यक्ति को चुनावी मैदान में आना पड़ा। पटवारी और वर्मा के बीच जारी जुबानी जंग के बीच राऊ के चुनावी रण में खेती–किसानी के मुद्दे भी अहम हैं क्योंकि इस क्षेत्र में किसान मतदाताओं की तादाद भी कम नहीं है। राऊ क्षेत्र के किसान राज्य सरकार की 3,200 एकड़ पर प्रस्तावित इंदौर–पीथमपुर आर्थिक गलियारा परियोजना के लिए खेती की उपजाऊ जमीन के अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। यह इलाका आलू की खेती के लिए भी मशहूर है। इन दिनों सिंदोड़ा गांव के अपने खेत में आलू की बुआई कर रहे किसान अतुल कुशवाह ने कहा,ष्राज्य सरकार इंदौर–पीथमपुर आर्थिक गलियारा परियोजना के नाम पर हमारी उपजाऊ जमीन मौजूदा बाजार मूल्य के मुकाबले बेहद कम मुआवजा देकर अधिग्रहित करना चाहती है ताकि इसे बड़े–बड़े उद्योगपतियों को दिया जा सके। हम इस अन्याय का विरोध करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा,2040 तक चंद्रमा पर इंसान भेजेगा भारत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गगनयान मिशन की पहली प्रदर्शन उड़ान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भारत को 2040 तक चंद्रमा पर एक आदमी भेजने और 2035 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने वैज्ञानिकों से वीनस ऑर्बिटर मिशन और मंगल लैंडर पर काम करने के लिए भी कहा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि गगनयान मिशन पर पीएम मोदी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान, अंतरिक्ष विभाग ने मिशन का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें अब तक विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियां जैसे मानव–रेटेड लॉन्च

वाहन और सिस्टम योग्यता शामिल हैं। इसमें 21 अक्टूबर को भारत के पहले ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन गगनयान के क्रू एस्केप सिस्टम की टेस्टिंग की तैयारियों की जानकारी ली। पीएमओ ने बताया कि भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान 2025 में होने की संभावना है। मीटिंग में प्रधानमंत्री ने ISRO के वैज्ञानिकों से कहा कि हमें 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाने और 2040 तक चंद्रमा पर मानव भेजने की योजना पर काम करना चाहिए। पीएम ने वीनस ऑर्बिटर मिशन और मार्स लैंडर पर भी काम करने को कहा। ्पै्त्व मिशन गगनयान के क्रू एस्केप सिस्टम की टेस्टिंग 21 अक्टूबर को सुबह 7 से 9 बजे के बीच करेगा। आसान भाषा में कहें तो मिशन के दौरान रॉकेट में गड़बड़ी होने पर अंदर मौजूद एस्ट्रोनॉट को पृथ्वी पर सुरक्षित लाने वाले सिस्टम की टेस्टिंग होगी। गगनयान मिशन के टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन–1 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। इस फ्लाइट में तीन हिस्से होंगे– अबॉर्ट मिशन के लिए बनाया सिंगल स्टेज लिक्विड रॉकेट, क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम। क्रू मॉड्यूल के अंदर का वातावरण अभी वैसा नहीं होगा जैसा मैन्ड मिशन में होगा।

मेरठ में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, दो मरे तीन घायल

एजेन्सी

मेरठ। उत्तर प्रदेश में मेरठ के लोहिया नगर क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक अवैध रूप से संचालित एक पटाखा फैक्घ्ट्री में भीषण विस्फोट में दो श्रमिकों की मृत्यु हो गयी जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि लोहिया नगर स्थित एक बंद पड़े मकान में अवैध रूप से पटाखा फैक्घ्ट्री चलाई जा रही थी। आज सुबह अचानक जोरदार विस्फोट के बाद मकान का ऊपरी हिस्सा गिर गया और आग लग गई।विस्फोट इतना भीषण था कि आस पास के मकान और एक स्कूल की खिड़कियों के शीशे तक टूट गये, जिससे अफरा तफरी मच गई।

सेल्फी प्वाइंट योजना, जल, थल और वायुसेना सरकारी योजनाओं को दर्शाएंगी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारत की सेनाएं अब उज्ज्वला योजना, आत्मनिर्भर भारत और नारी सशक्तिकरण जैसी योजनाओं को जनता के बीच ले जाएंगी। रक्षा मंत्रालय ने जल, थल और वायुसेना को इसके लिए देश के 9 अलग–अलग शहरों में सेल्फी पॉइंट्स बनाने को कहा है। इन शहरों में 822 सेल्फी पॉइंट बनाए जाएंगे। सेल्फी प्वाइंट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर भी लगी रहेगी। तीनों सेनाओं के अलावा डीआरडीओ और बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन भी इन 9 शहरों में सेल्फी पॉइंट्स बनाएंगे। जानकारी के मुताबिक, भारतीय थल सेना केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को दर्शाने के लिए 100 सेल्फी पॉइंट्स बनाएगी। वहीं वायुसेना 75 और नेवी भी 75 सेल्फी पॉइंट्स बनाएगी। डीआरडीओ और बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन की बात करें तो दोनों 50–50 सेल्फी पॉइंट्स बनाएंगे। इनके अलावा सैनिक स्कूल भी 50 सेल्फी पॉइंट्स बनाएंगे, जबकि रक्षा से जुड़े शेष संगठन 422 सेल्फी पॉइंट्स बनाएंगे। रक्षा मामलों से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि, सामान्य जनमानस को सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी मिल सके। इसमें सेना के शामिल होने से लोगों में गौरव का अहसास होगा। तीनों सेनाएं आत्मनिर्भर भारत, सशक्तिकरण, नारी शक्ति पर सेल्फी प्वाइंट बनाएंगी। इस योजना को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक, तीनों सेनाओं समेत अन्य सैन्य और रक्षा प्रतिष्ठानों को सेल्फी पॉइंट थीम और लोकेशन बताई जा चुकी है। यहां खास बात यह है कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, उन सभी राज्यों को इससे अलग रखा गया है। सेल्फी पॉइंट्स के लिए दिल्ली, प्रयागराज, पुणे, बेंगलुरु, मेरठ, नासिक, कोल्लम, कोलकाता और गुवाहाटी का चयन किया गया है। यहां रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, व्यावसायिक स्थान, मॉल और पर्यटन स्थलों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक, कई स्थानों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डिजिटल सेल्फी पॉइंट बनेंगे।

हथियार डीलर संजय भंडारी के खिलाफ केस दर्ज, ईडी ने कब्जे में की संपत्ति

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ब्रिटेन में रह रहे कथित बिचौलिए और हथियार डीलर संजय भंडारी के खिलाफ चल रहे धन शोधन मामले की जांच के तहत मंगलवार को उनके खिलाफ बेदखली के आदेश जारी किए और दक्षिण दिल्ली की उनकी एक महंगी संपत्ति को अपने कब्जे में ले लिया। यह संपत्ति पंचशील पार्क में पंचशील शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में स्थित है और 'एस बी हॉस्पिटैलिटी एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर पंजीकृत है। कंपनी को कंपनी रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड से हटा दिया गया है और ईडी को लगता है कि इस 'अस्तित्व–विहीन कंपनी की संपत्ति को अलग किया जा सकता है। ईडी के सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, यह संपत्ति भंडारी (61) की है और जून 2017 में एजेंसी ने इसे कुर्क कर लिया था और आखिरकार पांच जुलाई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा आदेश की पुष्टि की गई। संपत्ति को ईडी ने पीएमएलए की धारा (8) की उपधारा (4) के तहत अपने कब्जे में लिया है। ईडी के अनुसार, बताया जाता है कि भंडारी 2016 में ब्रिटेन भाग गया था और विदेश में कथित अघोषित संपत्ति रखने से जुड़े धन शोधन मामले में एक विशेष पीएमएलए अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। ब्रिटेन सरकार ने ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो के कानूनी अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए इस साल जनवरी में भंडारी के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी, जो विदेश में कथित अघोषित संपत्ति रखने के लिए भंडारी के खिलाफ धन शोधन और कर चोरी के आरोपों की जांच कर रहे हैं।

बीजेपी में शामिल हुए महाराणा प्रताप के वंशज, पीएम मोदी की तारीफ

एजेन्सी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले मंगलवार को महाराणा प्रताप सिंह के वंशज विश्वराज सिंह मेवाड़ और करणी सेना के संस्थापक लोकेंद्र सिंह कालवी के पुत्र भवानी सिंह कालवी मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। दोनों ने भाजपा की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सी पी जोशी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह और भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ली। भाजपा में शामिल होने के बाद दोनों नेताओं ने पार्टी की सराहना की। मेवाड़ ने इस बात पर जोर दिया कि लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व का समर्थन करना चाहिए। मेघवाल ने विश्वास जताया कि राजस्थान की जनता कांग्रेस को बेदखल कर भाजपा को सत्ता में लाएगी। कालवी एक मशहूर पोलो खिलाड़ी भी रहे हैं।

सम्पादकीय

ओलंपिक की मेजबानी!

हाल ही में मुंबई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति यानी आईओसी के 141वें सत्र के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इच्छा व्यक्त की कि भारत वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी करना चाहता है। निस्संदेह, खेलों में देश की बढ़ती भागीदारी व अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के सफलतापूर्वक निर्वाह ने हमारी साख बढ़ाई है। लेकिन ओलंपिक जैसे विशाल स्तर के खेलों का आयोजन खुद में बड़ी चुनौती है। उसके लिये भारी–भरकम खर्च हेतु भी तैयार रहना पड़ता है। निस्संदेह, भारत दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। जी–20 जैसे सफल अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों से भारत की दुनिया में साख बढ़ी है। लेकिन यहां सवाल यह भी है कि क्या भारत के पास वह खेलों का ढांचा, तंत्र व आवश्यक संगठन हैं जो सुगमतापूर्वक खेलों के महाकुंभ का आयोजन कर सकें। आईओसी प्रमुख का भारत के दावे के प्रति सकारात्मक प्रतिसाद सामने आया है। आईओसी प्रमुख ने कहा भी है कि भारत ने न केवल आर्थिक क्षेत्र में उपलब्धि हासिल की है बल्कि खेलों के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। लेकिन भारत के लिये इतने बड़े आयोजन का सफलतापूर्वक निभा पाना इतना आसान भी नहीं होगा। इस मार्ग में तमाम तरह की चुनौतियां भी हैं। खासकर यह एक बेहद खर्चीला आयोजन है और संरचनात्मक ढांचे के निर्माण में बड़ा निवेश मांगता है। हम यह न भूलें कि देश में आर्थिक विषमता निरंतर बढ़ी है। समतामूलक समाज के लक्ष्य भी हासिल किये जाने चाहिए। वैसे इन खेलों के आयोजन के इतिहास पर नजर डालें तो दुनिया के कई छोटे देशों की आर्थिकी पर इस महा आयोजन के बाद नकारात्मक असर भी पड़ा है। ओलंपिक आयोजन से जुड़ी कई शंकाओं के चलते कई जानकार इसे घाटे का सौदा भी कहते रहे हैं। यद्यपि टीवी व अन्य प्रसारणों के अधिकार से आयोजक देशों की आय में आशातीत वृद्धि भी हुई है। निस्संदेह, ओलंपिक आयोजन की दावेदारी के लिये हमें कई मानकों–कसौटियों पर खरा उतरना होगा। ध्यान रहे कि विषम परिस्थितियों में ओलंपिक जैसे आयोजन बेहद खर्चीले हो जाते हैं। हमने कोरोना संकट के दौर में देखा कि जापान में आयोजित पिछले ओलंपिक खेलों के खर्च में बेतहाशा वृद्धि हुई थी। लेकिन इसके बावजूद खेलों के इस महाकुंभ के आयोजन की मेजबानी करना गर्व की बात भी है। वैसे इस आयोजन को विशुद्ध आर्थिक नजरिये से भी नहीं देखा जा सकता। इस दौरान संरचनात्मक विकास व खेल से जुड़े स्थायी निर्माण से रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। भारत जैसे सबसे बड़ी आबादी वाले देश में बड़ा उपभोक्ता बाजार है। जिसको लुभाने को तमाम बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत का रुख कर सकती हैं। जिससे व्यापार व रोजगार को नये आयाम मिल सकते हैं। फिर आयोजक देश के खिलाड़ियों पर अधिक पदक जीतने का दबाव भी होता है। जिससे खेलों में स्वस्थ प्रतियोगिता भी उत्पन्न होगी। फिर खेलों के लिये जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं जुटाई जाएंगी, वे आने वाली कई पीढ़ियों में खेल प्रतिभा का विकास करने में सहायक होंगी। यह संरचनात्मक विकास दूरगामी प्रभाव छोड़ सकता है। भारत में एशियाई खेलों के आयोजन के दौरान जो बढ़िया स्टेडियम व खेलों से जुड़े निर्माण हुए उन्होंने खेल प्रतिभाओं को समृद्ध किया। निश्चित रूप से ऐसे बड़े आयोजनों से दुनिया में आयोजक देश की साख बनती है। देश की प्रतिष्ठा बढ़ती है और कारोबार की दृष्टि से भी यह लाभदायक साबित हो सकता है। हाल के दिनों में भारत द्वारा देश के साठ शहरों में जी–20 से जुड़े विभिन्न आयोजनों का सफलतापूर्वक निर्वाह बताता है कि हम अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बड़े आयोजन करने में सक्षम हैं। हाल के दिनों में देश की खेल प्रतिभाएं भी अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। चीन में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के पदकों का आंकड़ा सौ पार जाना इसकी जीवंत मिसाल भी है। इससे पहले भी हम एशियाड, राष्ट्रमंडल खेल, शतरंज ओलंपियाड, महिला जूनियर फुटबॉल विश्वकप, पुरुष विश्व हॉकी कप, निशानेबाजी व बॉक्सिंग की विश्व स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित कर चुके हैं। देश में इन दिनों क्रिकेट विश्वकप का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। ये आयोजन हमारी दावेदारी को मजबूत करते हैं।

जलवायु परिवर्तन: बच्चों के छूटते स्कूल

लगभग तीन दशकों से अंतरराष्ट्रीय मंचों से इस बात पर गहन चिंता प्रकट हो रही है कि जलवायु परिवर्तन का तमाम देशों के लोगों पर बहुत ही विपरीत असर पड़ रहा है। शायद ही ऐसा कोई वर्ग हो जो इससे प्रभावित न हो रहा हो। लोगों के सामने यह साफ है कि जिस तेजी से दुनिया की जलवायु में बदलाव हो रहा है उसके चलते कुछ समय के बाद कई शहरों और इलाकों के सामने उनके अस्तित्व का ही संकट खड़ा हो जायेगा। लोगों के पलायन, विस्थापन और पुनर्वास का मसला बहुत बड़ा रहेगा। पहाड़ी क्षेत्र हों या मैदानी, समुद्र तट के इलाके हों या फिर रेगिस्तानी, जलवायु परिवर्तन के असर से शायद ही कोई अछूता रह सकेगा। स्वाभाविक है कि ऐसे क्षेत्रों में रहने वालों के सामने कोई अन्य विकल्प नहीं रह जायेगा कि वे प्रभावित क्षेत्रों को छोड़कर अन्यत्र आसरा लें। अपने मूल स्थानों को छोड़ने से किस तरह से अन्य संकट मानव जीवन में आते हैं, यह अब दुनिया भर में देखा जा रहा है। कटते जंगलों या डूबते तटीय इलाकों को छोड़कर जाने वालों के सामने रोजी–रोटी के संकट से लेकर अपने जीवन को फिर से व्यवस्थित करने की बड़ी चुनौती होती है। नयी जगह पर खुद को ढालना मुश्किल होता है, यह भी सब जानते हैं। जलवायु परिवर्तन का जो असर मानव जीवन पर होगा, उसके विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन दुनिया भर के वैज्ञानिक, समाजशास्त्री एवं अन्य विधाओं के लोग कर रहे हैं। विभिन्न शोध एवं विश्वविद्यालयीन अध्ययन अनेक तरह के निष्कर्ष लेकर सामने आए हैं। ऐसे सभी शोध मनुष्य के भविष्य को लेकर भयावह तस्वीरें बयां करते हैं। प्रभावित लोगों के समक्ष आजीविका से लेकर सांस्कृतिक नुकसानों तक की चर्चा होती है। लगभग हर वर्ष अनेक शासकीय व अशासकीय स्तर पर कार्यरत संस्थाएं और संगठन इस विषय पर सभा–सम्मेलन आयोजित करते हुए इस दिशा में अनेक प्रकार के उपाय सुझाते हैं। राष्ट्र संघ की भी चिंताओं में यह विषय शामिल है। फिर भी इसमें बहुत कामयाबी मिलती नहीं दिखाई दे रही है। विभिन्न कारणों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना जलवायु परिवर्तन को रोकने में बहुत सहायक हो सकता है परन्तु ज्यादातर देश इस लक्ष्य को पाने में नाकाम रहे हैं। इसी क्रम में आई एक नयी रिपोर्ट बतलाती है कि ग्लोबल वार्मिंग का एक बहुत बड़ा असर दुनिया भर के बच्चों पर हो रहा है। यूनिसेफ की ताजा रिपोर्ट बतलाती है कि जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली बाढ़, तूफान, सूखा व जंगलों की आग के कारण हर रोज 20 हजार बच्चे स्कूल छोड़ने के लिये मजबूर हो रहे हैं। 44 देशों में हुए इस अध्ययन के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार 2016 से 2021 के बीच 4.31 करोड़ बच्चों को शालाएं छोड़नी पड़ीं। अकेले हो या सपरिवार, विस्थापन के चलते भारत, चीन और फिलीपींस में ही 2.23 करोड़ विद्यार्थियों ने पढ़ाई छोड़ दी। बाढ़ व तूफान प्रमुख कारण रहे हैं। अनुमान व्यक्त किया गया है कि जिस तरह से मौसम का बदलाव जारी है, 30 वर्षों में 10 करोड़ से ज्यादा बच्चे केवल इन्हीं कारणों से शालाएं छोड़ देंगे। डोमिनिका, वानुआतु जैसे छोटे द्वीपीय देशों में रहने वाले बच्चे तूफान से सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं। दूसरी तरफ, जहां बाढ़ ने बच्चों का जीवन तहस–नहस किया. उनमें सोमालिया व सूडान सबसे ऊपर हैं। सूखे के कारण 13 लाख और जंगलों में लगने वाली आग से 8 लाख से अधिक बच्चे विस्थापित हुए जिसके कारण उनके स्कूल छूटे हैं। कनाडा, इजरायल तथा अमेरिका में सबसे ज्यादा ऐसी आगजनी हुई है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि दुनिया भर के बच्चों को अच्छी तरह से पढ़ाने के लिये और भी 4.5 करोड़ शिक्षकों की आवश्यकता है। बच्चों को लेकर प्रकाशित हुई यह रिपोर्ट केवल जलवायु परिवर्तन के सन्दर्भ में है। गरीबी, बेरोजगारी, अकाल, भूकम्प, युद्ध, दंगे, सरकारी उत्पीड़न, पलायन, अलगाववादी या आतंकी संगठनों चलाये जाने वाले अभियानों के तहत होने वाली कार्रवाइयों जैसे और भी अनेक कारण होते हैं जिनसे बच्चों की पढ़ाई छूटती है। इजरायल–फिलीस्तीन युद्ध को ले लें या फिर भारत के मणिपुर को देखें, तो बच्चों की पढ़ाई पर इसका असर हो रहा है। कुछ राज्यों में माओवादियों द्वारा स्कूल या तो बर्बाद किये जाते रहे हैं या उनकी दहशत के कारण लोग अपने बच्चों को स्कूल भेजना बन्द कर देते हैं। ऐसे स्थलों से होने वाले पलायन के कारण बच्चों की शालाएं पीछे रह जाती हैं। ग्रामीण इलाकों में अकाल पड़ने पर परिवारों के सामने आजीविका सम्बन्धी संकट आ खड़ा होता है फलतरू वे पलायन कर जाते हैं। शहरी क्षेत्रों में उन्हें रोजगार तो मिल जाता है लेकिन वे बच्चों की शिक्षा जारी नहीं रख पाते या छूट चुकी पढ़ाई को पुनरू प्रारम्भ नहीं कर पाते। वे जगह–जगह काम के लिये घूमते रहते हैं। इसके चलते उनके लिये सम्भव नहीं रह जाता कि बच्चों को कोई स्थायी स्कूल प्रदान करा सकें। ऐसे एक नहीं बहुतेरे कारण होते हैं जिनके चलते बच्चों को उनके स्कूल व अध्ययन को छोड़ना पड़ता है। कारण जो भी हो, जलवायु परिवर्तन का बच्चों की शिक्षा पर होने वाले असर के बहाने से ही सही, सभी देशों की सरकारों के लिये यह इस निश्चय को दोहराने का अवसर है कि बच्चों की पढ़ाई–लिखाई के व्यवधान दूर हों। एक आधुनिक व सभ्य समाज के निर्माण में शिक्षा की भूमिका व योगदान को बतलाये जाने की जरूरत नहीं है। इसलिये सारी सरकारें और विश्व मंच इस मुद्दे पर गम्भीरतापूर्वक विचार कर हल निकाले ताकि किसी भी बच्चे को शाला न छोड़नी पड़े।

इतिहास से ज्ञान, वर्तमान के श्रम से भविष्य के निर्माण का ले संकल्प

संजीव ठाकुर

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, वर्तमान का कठोर श्रम सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर होता है। इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि ष्आशाओं पर आकाश टिका हुआ हैष और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार–चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है। सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्धा वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड–19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया।

आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। इस संदर्भ में हर व्यक्ति को सकारात्मक सोच रख कर अपने मौजूदा संसाधनों का संपूर्ण दोहन कर सटीक नीति और भविष्य की योजनाएं बनाकर उस पर मेहनत करनी होगी और मेहनत से उपजे आत्मबल तथा संयम के साथ किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण ऊर्जा समेकित रूप से केंद्रित कर उस लक्ष्य की प्राप्ति करनी होगी। नागरिकों के समेकित प्रयास अच्छी सोच और कड़ी मेहनत से ही संपूर्ण राष्ट्र वैश्विक स्तर पर एक आदर्श तथा प्रेरणादायक राष्ट्र बनने की क्षमता की ओर आगे बढ़ सकता है।

चीनी उत्पादन से टूट नहीं पा रहा मोह

ड़ॉ. मत्स्येन्द्र प्रभाकर

कुटनयिक संबंधों में चढ़ावदृउतार के बावजूद चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना हुआ है। हालांकि भारतदृचीन के संबंध छह दशकों से उतारदृचढ़ाव वाले बने हुए हैं। अब फिर इनमें तनातनी है। कई विशेषज्ञों को आशंका है कि हालात धीरेदृधीरे शीतयुद्ध की तरफ जा सकते हैं। ६ कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी की हत्या तथा वहां छिड़े गैंगवार के बीच कनाडा के गलत वक्तव्यों के बाद भारत के कड़े प्रतिरोध और संयुक्त राष्ट्र तक में कनाडा को भारत के विदेश मंत्री के कड़े जवाब के दौरान चीन का भी नाम लेने से तो चीन बुरी तरह कौंधियाया हुआ है। हालांकिॉ इसकी संभावना कम है कि वह भारत से किसी तरह के युद्ध का खतरा मोल ले। वजह यह कि भारत चीनी वस्तुओं का बड़ा खरीददार है। सूत्रों के अनुसार चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था से हैरान हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ढाईदृतीन साल पहले तक भारत चीन के बीच ८त्र४५ की वृद्धि के साथ व्यापार १३५त्र६८ अरब डॉलर पहुंच गया था। २०२३ की पहली छमाही के आंकड़े तो १६२ अरब डॉलर से भी ऊपर जा चुके हैं। पिछले वर्ष ६ दिसम्बर को अरु णाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर के यांग्त्से में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इससे पहले लद्दाख की गलवान घाटी में मईॉ २०२० हुई हिंसक झड़प में २० भारतीय जवानों की मौत हो गई थी। उसके बाद तो मीडिया रिपोर्टों में भारतदृ चीन के बीच जल्द युद्ध तक छिड़ जाने तक का ऐलान कर दिया गया था। कुछ वर्षों से दोनों देशों के बीच एक के बाद तनाव की घटनाएं उभरती रही हैं। गलवान से पहले डोकलाम में करीब ढाई महीने तक दोनों देशों की सेनाएं आमनेदृसामने आ चुकी थीं। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में २०२० में गंभीर हालात बने ही थेंॉ अप्रैलॉ २०२० में वास्तविक नियंत्रण रेखा यएलएसीद्ध पर सैन्य गतिरोध के बाद भारत ने चीन से स्पष्ट कहा थाॉ ष्सीमा पर तनाव के साथ बाकी संबंध सामान्य नहीं रह सकते ।श् इसके बाद चीन से निवेश में कमी आई क्योंकि मोदी सरकार ने कई तरह की पाबंदियां लगा दी थीं। लेकिन भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ेघ् देखें तो पता लगता है कि गलवान के बाद भी चीन से आयात बढ़ता गया। ताजा आंकड़े भारत के लिए चिंताजनक कहे जा सकते हैं। भारत का व्यापार घाटा २०२२ में १०१त्र०२ अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गयाॉ जबकि २०२१ में यह ६६त्र३८ अरब डॉलर था यानी हम आयात तो बढ़ाते जा रहे हैं किन्तु हमारा निर्यात तुलनात्मक लिहाज से कम हैघ्। सवाल है कि क्या हमारे उत्पाद दूसरे देशों की तुलना में निम्नस्तरीय हैंॉ अथवा हम स्वयं चीन की चालों से अनजान तथा आम भारतीय चीन के सस्ते सामानों का मोह त्याग नहीं पा रहे हैं। बीजिंग में भारतीय दूतावास की वेबसाइट पर जारी बयान के अनुसारॉ इस सदी की शुरु आत में चीन और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार ने नई झंचाई छूई और २००८ तक चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार बन गया था। २०१५दृ२१ के बीच भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार में करीब ७५५ इजाफा हुआ और वाद्दषक विकास दर देखें तो व्यापार में औसतन हर साल १२त्र५५५ की वृद्धि दर्ज होती आई। चीन के कस्टम विभाग के आंकड़ों के अनुसारॉ २०२२ में चीन के कुल निर्यात में ७५ जबकि आयात में १त्र१५ की वृद्धि हुईघ्। पिछले साल चीन का ट्रेड सरप्लस ८८७त्र६ अरब डॉलर था और कुल निर्यात ३त्र६५ ट्रिलियन डॉलर था। उल्लेखनीय है कि चीन ने एक समय यभारत का बिना नाम लिएद्ध अमेरिका से कहा थादृष्लोकतंत्र कोकाकोला नहीं है कि हर जगह एक ही स्वाद होगा ।श् इसे मुख्यतया भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और भारतीयों को लूटते रहने की उसकी घातक कुचाल ही कह सकते हैं किन्तु टिकाऊ और अच्छे की बजाय सस्ते सामानों के मोही आम भारतीय तथा अपनी दूकान किसी भी कीमत पर चलाते रहने को लालायित भारतीय व्यापारी कब व कैसे समझ सकेंगेघ् भारत चीन में जारी व्यापार में असंतुलन के कारणों पर अर्थशास्त्री संतोष मेहरोत्रा ने किसी अवसर पर बताया थाॉ ष्भारत चीन को कच्चा माल बेचने का काम करता है जबकि वहां से आयात में भारत ज्यादातर बनेदृबनाए प्रोडक्ट खरीदता है ।श् वह कहते हैंॉ ष्चीन से भारत इलेट्रिकल और मैकेनिकल मशीनरी के अलावा कई तरह के केमिकल खरीदता है। ये केमिकल भारत की इंडस्ट्री के लिए बेहद अहम हैं। इससे हमारे देश में दवाएं बनाई जाती हैंॉ लेकिन उनकी ओरिजिनल सामग्री चीन से ही आती है। दूसरी ओर भारत चीन को बड़े पैमाने पर कॉटनॉ आयरन एंड स्टीलॉ फूलॉ अयस्कॉ स्लैगॉ राख और ऑर्गेनिक केमिकल बेचने का काम करता है। इन हालात में भारत को ऐसी टिकाऊ चीजें बनानी होंगी जो सस्ती हों ताकि सामान्य खरीददार उनको अपनाने के लिए प्रेरित हों। इससे पहले लद्दाख की गलवान घाटी में मईॉ २०२० हुई हिंसक झड़प में २० भारतीय जवानों की मौत हो गई थी।

तंत्र साधना का आदर्श स्थान- पाण्डव कालीन बगलामुखी मंदिर

संदीप सृजन

मध्य प्रदेश के आगर जिले की नलखेड़ा तहसील की पहचान पांडव कालीन पीताम्बरा सिद्ध पीठ मां बगलामुखी के मंदिर के कारण है। विश्व प्रसिद्ध पीताम्बरा सिद्ध पीठ मां बगलामुखी का यह मंदिर शक्ति एवं शक्तिमान के सम्मिलित प्रभाव से युक्त है। यहां पर की जाने वाली साधना आराधना अनंत गुना फलप्रदा होती है। जब कभी शत्रु का भय हो तो बगलामुखी की साधना, आराधना आराधक को फलदायी रहती है। वहीं बगलामुखी की आराधना से शत्रु का स्तम्भन भी होता है। बगलामुखी मंदिर में स्थापित मूर्ति महाभारत कालीन है जो कि भीम पुत्र बर्बरीक द्वारा स्थापित की गई थी। यहां पाण्डवों ने भगवान कृष्ण के कहने पर मां की आराधना कर विजयश्री का वरदान प्राप्त किया था। मां बगलामुखी का वर्णन कालीपुराण में मिलता है। वर्ष की दोनों नवरात्रि के दौरान इस मंदिर पर भक्तों का तांता लगा रहता हैं वही शारदीय व चौत्र नवरात्रि के दौरान तंत्र साधना के लिए तांत्रिकों का जमावड़ा भी यहां लगा रहता है।

विराजित है त्रिशक्ति माँ

पीताम्बरा सिद्धपीठ मां बगलामुखी का मंदिर है जहां त्रिशक्ति मां विराजित है बीच में मां बगलामुखी दाएं मां लक्ष्मी तथा बाएं मां सरस्वती।

दस महाविद्याओं में बगलामुखी का है विशेष महत्व

प्राचीन तंत्र ग्रंथों में दस महाविद्याओं का उल्लेख मिलता है। उनमें से एक है बगलामुखी। मां बगलामुखी का महत्व समस्त देवियों में सबसे विशिष्ट है। शास्त्र के अनुसार इस देवी की साधना आराधना से शत्रुओं का स्तम्भन हो जाता है यह साधक को भोग और मोक्ष दोनों ही प्रदान करती है।

260 वर्ष पूर्व बना सभा मंडप

ग्वालियर रियासत के एक सूबेदार ने संतान प्राप्ति की मनोकामना पूर्ण होने पर गर्भ गृह के बाहर सोलह खम्बों वाले आराधना स्थल का निर्माण कराया था। यह विक्रम संवत 1815 सन 1759 में दक्षिणी कारीगर अबुजी द्वारा निर्मित किया गया था।

कई देवी–देवताओं का भी है वास

मंदिर प्रांगण में काल भैरव की चमत्कारी प्रतिमा स्थापित है जो उज्जैन स्थित काल भैरव के समान मद्यपान का सेवन करती है मंदिर के आहते में ही वीर हनुमान राधा कृष्ण व महाकाल मंदिर भी स्थित है।

इतिहास के झरोखे में दीप–स्तंभ

उज्जैन स्थित मां हरसिद्धि प्रतिमा के सम्मुख निर्मित दीप स्तम्भ के समान ही नलखेड़ा में भी 72 फीट ऊँचा दीप स्तम्भ बना हुआ है जो विशेष अवसरों पर मंदिर परिसर को जगमगाता रहता है। इनकी शिल्प कला की समरुपता को देखते हुए कहा जा सकता है कि राजा विक्रमादित्य ही इस मंदिर तथा दीप स्तम्भ निर्माण के प्रमुख रहे होगे। उल्लेखनीय है कि दीप स्तम्भ अति प्राचीन मंदिरों में ही पाये जाते है सम्राट विक्रम की आराध्या मां हरसिद्धि के मंदिर की प्रतिकृति इस मंदिर के गर्भगृह की दीवारों की लगभग 05 फीट चौड़ाई एवं कारीगरी भी इस बात के प्रमाण है कि यह मंदिर ईसा से एक शताब्दी पूर्व सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल में निर्मित हुआ होगा। निसंदेह मंदिर निर्माण के पूर्व यहां स्वंयभू प्रतिमा रही होगी।

नदी तट

भारत के शत प्रतिशत प्राचीन मंदिर किसी न किसी नदी के तट पर ही स्थित है। यह मंदिर भी लखुन्दर नदी के किनारे स्थित है। जिसका प्राचीन नाम लक्ष्मणा है। मंदिर परिसर के पृष्ठ भाग की दीवार से सटकर बहती है मानो माता के चरणों को पखारने के लिये ही वह यहां प्रवाहित हो रही है।

तंत्र साधना स्थली

बगलामुखी पूजन में तंत्र विधि महत्वपूर्ण मानी गई है। इस विधि के अंतर्गत श्मशान में तांत्रिको द्वारा रात दिन प्रयोग पूर्वक सिद्धि प्राप्त करने हेतु पूजन की जाती है। यहां आठों दिशाओं में श्मशान स्थित है। साथ ही मंदिर प्रांगण में बिल्व पत्र, चम्पा, सफेद आंकड़ा, आंवला, नीम एवं पीपल के पूजनीय वृक्ष भी स्थित है। प्राचीन काल में संत साधक पुरुष समाधि द्वारा अपनी देह का त्याग करते थे। यहां ऐसी सत्रह समाधियां बनी हुई है। उपर्युक्त दोनों बातें इस बात को बल देती है कि यह मंदिर तंत्र पूजा का पूर्व से ही अति महत्वपूर्ण स्थान रहा है। तंत्र पूजा हमारे देश में पांचवी शताब्दी के पूर्व विशेष रुप से संपादित की जाती थी अघोरी के रूप में आज भी उनके अवशेष पाये जाते है यह बात मंदिर की प्राचीनता की परिचायक है।

कच्छप की मूर्ति

शास्त्रीय आधार पर कहा जा सकता है कि जहां तंत्र–पूजा एवं बलि दी जाती है वहां मुख्य प्रतिमा के सम्मुख कच्छप मूर्ति भी प्रतिष्ठापित की जाती है। मां बगला के सम्मुख प्रवेश द्वार के ठीक सामने कच्छप की मूर्ति स्थापित है जो इसकी प्राचीनता का सद्रूप साक्ष्य है।

इतिहासविद् के उद्गार

प्राकृत भाषा, भाषा साहित्य के इतिहास के अनुसार भारतवर्ष में प्रथम से पांचवी शताब्दी के बीच प्राकृत भाषा सामाजिक बोलचाल की भाषा रही है। इसमें (वद्) प्रत्यय का प्रयोग होता है। इधर क्षेत्र के कई गांवों के नाम आज भी ऐसे ही बोले जाते जैसे– भण्डावद, कल्डावद, नैनावद, करनावद आदि। सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर ने इसके पुरातात्विक महत्व को स्वीकार किया है ऐसा प्रसिद्ध बल्डावदा हनुमान मंदिर भी इसी क्षेत्र में स्थित है पृष्ठ भाग में प्रवाहित लखुन्दर नदी पार करने के मार्ग को यहां बगावद कहा जाता है। स्पष्ट है कि बगला माता मंदिर के नाम पर ही इस घाट का नाम बगावद हो गया आज भी नदी पार करने के इस मार्ग को बगावद घाट के नाम से ही व्यापक रुप में जाना जाता है। प्राकृत भाषा की व्यवहार एवं कालावधि इस बात को रेखांकित करते है कि यह मंदिर पॉचवी सदी के काफी पहले से ही यहां स्थित था। कौरवों से द्यूत क्रीड़ा में हारने के बाद वनवास की अवधि में भगवान कृष्ण ने पाण्डवों को यहां साधना करने हेतु सुझाव दिया था। अनुमान है कि उनकी विद्या स्थली सान्दीपनि आश्रम उज्जैन के सन्निकट होने से यह स्थान आम जनता के बीच भी पर्याप्त चमत्कारिक एवं लोकप्रिय रहा होगा। पांचों पाण्डवों ने शत्रु नाश एवं पुनरू राज्य प्राप्ति की कामना से यहां माता की साधना करके अपना मनोरथ पूर्ण किया। कलियुग के पूर्व द्वापर युग में आज से सवा पांच हजार वर्ष पहले महाभारत युद्ध का उल्लेख हुआ है इतिहास भी पांच हजार वर्ष पूर्व हस्तिनापुर में पाण्डवों के राज्य का साक्षी है। दोनों तथ्य इस मंदिर की अति प्राचीनता को प्रमाणित करते है। वर्तमान में यह स्थान मध्यप्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल घोषित हो चुका हैं यहां की प्राकृतिक छटा के साथ दिन रात होने वाले यज्ञों के मंत्रोच्चार की ध्वनि, पृष्ठ भाग स्थित डेम के जल भण्डार में बोटिंग का मनोहारी दृश्य, घाट स्थित पार्क में फूलों की बहार, संत निवास, धर्मशाला में आवास तथा नवरात्रि पर्व पर भक्तों के लिए फलाहार एवं भोजन की निरूशुल्क सुविधा फूलहार तथा साहित्य की उपलब्धता एवं परिसर स्थित विभिन्न देव मंदिरों के साथ यह मंदिर जन जन के आकर्षण का केन्द्र बन गया है।

थाना आशियाना व सर्विलांस टीम डीसीपी पूर्वी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 02 शातिर लुटेरे/स्नैचर्स मय लूट के माल के गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त एस0बी0 शिरडकर महोदय कमिश्नरेट लखनऊ व पुलिस उप आयुक्त पूर्वी आशीष श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में एंव अपर पुलिस उप आयुक्त पूर्वी सैय्यद अली अब्बास के कुशल पर्यवेक्षण एंव निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त कैन्ट पंकज कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक छत्रपाल सिंह थाना आशियाना द्वारा अपराध एंव अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 02 नफर अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण बताते हुए डीसीपी ने कहा कि थाना स्थानीय पर वादिनी गरिमा सिंह चंदेल पुत्री अनिल चंदेल निवासिनी एसएस–2 1666 एलडीए कालोनी, थाना– आशियाना, लखनऊ ने दिनांक 16.10.2023 को मु0अ0सं0 439/2023 धारा 392 भादवि थाना–आशियाना, लखनऊ बनाम दो अज्ञात व्यक्ति मोटर साइकिल सवार (प्रकरण दो अज्ञात मोटर साइकिल पर सवार व्यक्तियों द्वारा वादिनी का पर्श छीन लेने के सम्बन्ध) पंजीकृत होकर विवेचना उ0नि0 संदीप मिश्रा द्वारा की जा रही है। मुकदमा उपरोक्त में विवेचक द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित अज्ञात अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु थाना स्थानीय पर उच्चाधिकारीगणों के आदेश से टीम का गठन हुआ था। डीसीपी ने कहा कि आज दिनांक 18.10.2023 को उ0नि0 संदीप कुमार मिश्र मय हमराह उ0नि0 अमरपाल अग्निहोत्री व कां0 अभिषेक पटेल व कां0 धर्मेन्द्र गुर्जर के द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर जोनल पार्क के गेट के बगल में थाना आशियाना लखनऊ से मुकदमा उपरोक्त चोरी किये गये मोबाइल के साथ एकबारगी दबिश देकर 02 नफर अभियुक्तगणों को पकड़ा गया, डीसीपी ने प्रेस वार्ता में कहा कि नाम पता पूंछने पर अपना नाम पता अभियुक्तगण 1. प्रमोद वर्मा पुत्र प्रदीप वर्मा उम्र करीब 22 वर्ष निवासी 233/255 न्यू इन्द्र पुरी, भोला खेडा, थाना–कृष्णा नगर लखनऊ, 2. नसीम खान उर्फ गोलू पुत्र नियामत खान उम्र करीब 21 वर्ष पता– ओसो नगर कनोसी, थाना–कृष्णानगर, लखनऊ बताया, जिनके पास से 03 अदद मोबाइल एवं चोरी के मोबाइल की बिक्री का पैसा 600 रू0 नगद, तथा मोटर साइकिल पल्सर न0 32 बज 2299 बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक पूछने पर बताये कि हम लोग दिनांक 13.10.2023 की रात 8 बजे स्प्रिंगडेल कालेज थाना आशियाना के सामने से एक महिला से लेडीज पर्स छीना जिसमे एक मोबाइल वनप्लस 10 था तथा दिनांक 06.10.2023 को रात करीब 8.30 बजे गणपति होटल थाना–पीजीआई, लखनऊ के पास से जो मोबाइल वीवो वाई 21 एक महिला से लूटे थे, अभियुक्तगणों को उसके जुर्म व जुर्म की धारा 392/411 भादवि से अवगत कराते हुए अभियुक्तगण उपरोक्त को हिरासत पुलिस लिया गया। अभियुक्तगणों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

बाल रामलीला चौक में धनुष यज्ञ लीला का हुआ सफल मंचन

लक्ष्मण परशुराम संवाद पर दर्शकों ने बजाई तालियां

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। बाल रामलीला में जनपद बस्ती के कलाकारों ने धनुष यज्ञ लीला का सफल मंचन किया,लीला का शुभारंभ विनय रस्तोगी ,प्रशांत रस्तोगी,भोले त्रिवेदी ,शिवकुमार गुप्ता ने आरती करके किया! जैसे ही धनुष भगवान श्री राम के हाथों में आकर टूटा वैसे ही पूरा रामलीला मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। जय श्री राम के गगन भेदी नारे लगने लगे। पूरा वातावरण श्री राम मय हो गया। श्री बाल रामलीला नाट्य कला मंदिर द्वारा संचालित श्री बाल रामलीला चौक में आदर्श रामलीला मंडल जलेबी गंज, बस्ती के कलाकारों द्वारा धनुष यज्ञ लीला का मंचन किया गया। धनुष यज्ञ की लीला को देखने के लिए बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं बच्चे रामलीला मैदान में मौजूद रहे। रामलीला में दिखाया गया राजा जनक का यह प्रण था कि जो धनुष तोड़ेगा उसी के साथ सीता का विवाह संपन्न होगा। जनकपुरी में स्वयंवर सजाया गया। सभी देशों के राजाओं को आमंत्रित किया गया जिसमें रावण और बाणासुर भी आमंत्रित किए गए। एक से एक धुरंधर राजा आये लेकिन धनुष को उठा तक नहीं पाए। स्वयंवर में वाणासुर और रावण का संवाद हुआ। रावण ने अपनी महिमा का गुणगान किया इसी स्वयंवर में गुरु विश्वामित्र के साथ भगवान श्री राम और लक्ष्मण भी मौजूद रहे। जब भगवान श्री राम धनुष को उठाने के लिए आगे बढ़े तो सभी धुरंधर राजा आपस में कानाफूसी करने लगे। यह लड़का धनुष को कैसे तोड़ पाएगा। इसी बीच भगवान श्री राम ने लक्ष्मण से कहा धनुष पृथ्वी मय हो गया है, इसलिए तुम पृथ्वी को रोको और मैं धनुष को उठाता हूं। भगवान राम ने धनुष को नमन करके उसे अपने हाथ में उठा लिया। जैसे ही भगवान श्री राम ने धनुष को अपने हाथ में उठाया पंडाल में मौजूद सारे राजा हतप्रभ रह गए। भगवान श्री राम ने धनुष को चारों तरफ घुमाया और एक झटके से धनुष को तोड़ दिया। धनुष के टूटते ही सारा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज ज उठा और जय श्री राम के गगन भेदी नारे गूंजने लगे। इसी बीच मां सीता ने भगवान श्री राम के गले में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच जयमाल डाली। परशुराम को जब धनुष टूटने की बात पता चली तो परशुराम ने स्वयंवर में आकर ललकार लगे। इस दौरान परशुराम और लक्ष्मण का संवाद हुआ इस संवाद को सुनने के लिए लोग टकटकी लगाए रहे। आदर्श रामलीला मंडल जलेबी गंज बस्ती के कलाकारों द्वारा खेली गई धनुष यज्ञ लीला को सभी दर्शकों ने वाहवाही की। मंगलवार की रात्रि में हुए मंचन के अवसर पर उमेश गुप्ता, राजेश वर्मा, धीरू अवस्थी ,बासु वर्मा, रामचंद्र गुप्ता गुड्डू,मंगू गुप्ता ,राजीव गुप्ता,रमेश सैनी,दिनेश सैनी, अमरीश द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में मेला कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की टास्क फोर्स की बैठक मंगलवार सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अवगत कराया कि ऑपरेशन कायाकल्प के तहत विद्यालयों में निर्माण कार्य, फर्नीचर, दिव्यांग शौचालय आदि का निर्माण हो रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि 19 पैरामीटर से असंतृप्त विद्यालयों में बाउंड्री वॉल, विद्युत संयोजन, फर्नीचर दिव्यांग शौचालय संबंधित जो भी कमियां है उसको जल्द से जल्द पूर्ण करें जिन भी विद्यालयों में टाइलीकरण नहीं हुआ है वहां कार्य जल्द से जल्द प्रारंभ करें एवं फर्नीचर की अनुपलब्धता की स्थिति में इसका ऑर्डर दे। जिस भी शौचालय में रनिंग टैप वाटर की व्यवस्था नहीं है वहां एबीएसए बीडीओ से समन्वय कर उक्त कार्य को पूर्ण करें। बस्ती में सर्वाधिक पेंडेंसी फर्नीचर की अनुपलब्धता की पाई गई। धर्मापुर एबीएसए से बाउंड्री वॉल निर्माण की प्रगति के संदर्भ में जानकारी लेते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि जिन भी विद्यालयों में बाउंड्री वॉल अथवा टाइलीकरण नहीं हुआ है वहां बाउंड्री वॉल निर्माण कराएं। डोभी जलालपुर सहित अन्य ब्लॉक में जहां विद्यालयों में बाउंड्री वाल का निर्माण होना अभी शेष है वहां शीघ्र इसका निर्माण शुरू कराया जाए। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि जर्जर विद्यालय के भवनों का ध्वस्तीकरण किया जाए, ऐसे भवनों में कक्षाएं कदापि संचालित ना होने पाएं। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने इंस्पेक्शन विजिट की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया कि जिला टास्क फोर्स एवं ब्लाक टास्क फोर्स के ऐसे सदस्य जिन्होंने पिछले माह सितम्बर मे लक्ष्य के सापेक्ष विद्यालय का निरीक्षण नहीं किया है उनका एक दिन का वेतन अवरुद्ध किया जाए। कस्तूरबा बालिका विद्यालयों में छात्राओं की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन योजना, केजीबीवी में व्यय, आदि के संदर्भ में जानकारी लेते हुए उन्होंने बीएसए को निर्देशित किया कि जिला स्तर पर अध्यापक प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए प्रस्ताव तैयार करें। विद्यालयों में आईसीटी लैब बनवाएं जाएं।

कन्या सुमंगला योजना व बाल सेवा योजना के तहत पात्र बच्चियों की सूची बनाकर विद्यालय उनका आवेदन कराएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, जिला विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दशहरा पर फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ ने शॉपर्स के लिए पेश किए आकर्षक फेस्टिवल ऑफर और रोमांचक उपहार

लखनऊ। दशहरा के साथ ही त्योहारों का सीजन शुरू हो रहा है और इस उत्साह को बढ़ाने के लिए फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ ने ऑफर्स और रोमांचक उपहारों की घोषणा की है। वह ऑफर जो शॉपर्स को एक अलग शॉपिंग अनुभव देंगे, उनमें सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर भी शामिल है। 15 अक्टूबर से शुरू होकर 24 अक्टूबर तक चलने वाले इस ऑफर के तहत शॉपर्स को रु. 2,999 या उससे अधिक की खरीदारी करने पर वे शानदार उपहारों को जीत सकेंगे। फीनिक्स यूनाइटेड ने अपने कस्टमर्स के लिए एक बेहद आकर्षक कार्यक्रम भी आयोजित किया था – श्फीनिक्स यूनाइटेड्स शेफ वंडरश, जो 15 अक्टूबर को आयोजित हुआ था। अपने लॉयल कस्टमर्स के साथ रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए फीनिक्स यूनाइटेड इस उत्सव भरे माहौल को सीधे उनके घरों तक लेकर पहुंचा है। मॉल ने अपने आसपास के प्रमुख सोसाइटीज के निवासियों को इसमें शामिल कर उत्सव का आनंद कई गुना बढ़ा दिया था। इसके लिए मॉल ने हर वीकेंड पर दो रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन्स (RWAs) में एक कुकिंग प्रतियोगिता आयोजित की, एक शनिवार को और दूसरी रविवार को आयोजित की गई।

इण्डियन स्टार एचीवर्स एवॉर्ड से सम्मानित हुए संजय श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। देहरादून पत्रकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए संजय श्रीवास्तव को इण्डियन स्टार एचीवर्स एवॉर्ड से सम्मानित किया गया। देहरादून के एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में हिंदुस्तान की मशहूर फिल्म की अदाकारा अमीषा पटेल ने सम्मानित किया। मुख्य अतिथि के रूप में अमीषा पटेल ने सम्मानित लोगो को बधाई देते हुए कहाँ की किसी भी व्यक्ति की उपलब्धि उसका कार्य होती है और आप के कार्य को पूरे देश में पहचान दिलाते है ये सम्मान। देहरादून की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि देहरादून बहुत सुंदर जगह है जिसकी पहचान देश नहीं विदेशों में भी है। उन्होंने कहाँ देहरादून आना उन्हें अच्छा लगता है। इण्डियन स्टार एचीवर्स एवॉर्ड से सम्मानित किए जाने के के बाद संजय श्रीवास्तव ने आयोजक मंडल को धन्यवाद देते हुए कहा की एवार्ड पाना महत्वपूर्ण नहीं होता उस सम्मान को जिंदा रखना महत्वपूर्ण होता है क्यूँकि ये सम्मान आपको और अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित करते है।संजय श्रीवास्तव इससे पूर्व दून रत्न, देवभूमि रत्न सहित दर्जनों एवार्ड से नवाजे जा चुके है। संजय श्रीवास्तव नेशनल न्यूज चौनल वीआईपी न्यूज के नेशनल हेड के साथ पत्रकारों की संस्था आईएफडब्लूजे और कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष और न्यूज एजेंसी ईएमएस न्यूज व आई टीवी हिंदुस्तान के स्टेट हेड है। बॉलीवुड ऐक्टिंग स्कूल ऑफ आर्टस के द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में फिल्म गदर की अदाकारा अमीषा पटेल के साथ आयोजक अमित गुप्ता, जीएल सडाना और जुल्फकार टाइगर सहित सैकडो लोग मौजूद रहे।

15 जून को रिलीज होगी बाबा नीब करौरी पर बन रही फिल्म

कैंची धाम स्थापना दिवस (15 जून) पर भक्तों को मिलेगा फिल्म का प्रसादः प्रमोद ठाकुर

मुंबई में बाबा जी की पौत्री ने किया फिल्म के पोस्टर की लांचिंग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भक्तों के भगवान हनुमत् स्वरूप बाबा नीब करौरी महाराज के जीवन पर बनने वाली फिल्म की शूटिंग दिसम्बर,23 से शुरू होकर मार्च,24 तक पूरी हो जाएगी। अगले साल कैंची धाम स्थापना दिवस 15 जून को देश – दुनिया में सभी भक्तों के लिए फिल्म को रिलीज कर दिया जाएगा। यह जानकारी फिल्म के निर्माता / निर्देशक प्रमोद ठाकुर ने दी।लाइव 24 न्यूज चौनल के चेयरमैन व फिल्म के निर्माता श्री ठाकुर ने बताया कि बाबा नीब करौरी महाराज फिल्म प्रोडक्शन हॉउस के बैनर तले बनने वाली श्री बाबा नीब करौरी महाराज श्र फिल्म के पोस्टर लांचिंग का कार्यक्रम 15 अक्टूबर को रहेजा क्लासिक क्लब,अंधेरी वेस्ट, मुंबई में किया गया जिसकी मुख्य अतिथि बाबा जी की पौत्री डॉ. भावना रावत रहीं। समारोह में सामना (हिन्दी) अखबार के संपादक सर्वश्री अनिल तिवारी, सहारा अखबार के समूह संपादक रमेश अवस्थी, राम कुमार पाण्डेय, मुंबई भाजपा के महासचिव मोहना गौरा के अलावा, फिल्मी कलाकार अली खान, हरीश जी, कामिनी खन्ना, उपासना, भूपेंद्र, वीरेंद्र सक्सेना, आर्यावर्त मिश्र आदि गणमान्य लोगों की खास उपस्थिति रही।पत्रकारिता से दशकों से जुड़े मूलतः आंवला, बरेली के रहने वाले श्री ठाकुर पांच साल पहले वर्ष 2018 में श्र बाबा नीब करौरी रू एक गौरव गाथा श्र नाम से डाक्यूमेंट्री बना चुके हैं जिसमें मशहूर फिल्म अभिनेता मुकेश खन्ना ने मुख्य भूमिका निभाई थी। गुरुदेव महाराज पर बनी इस पहली डाक्यूमेंट्री को देश ही नहीं विदेश में भी भक्तजनों ने खूब सराहा था।

शिवलिंग प्रकट होने के खबर चर्चित होने के बाद सिमौर का शिवमंगल आश्रम पुनः सुर्खियों में,मंदिर सील किया गया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। कोतवाली पिहानी क्षेत्र के सिमौर गांव स्थित शिवमंगल आश्रम मंदिर में स्वतः शिवलिंग प्रकट होने की खबर चर्चित होने के बाद एक बार दोबारा सुर्खियों में आ गया। इससे पूर्व 2010 में यह आश्रम श्री रामचंद्र की नई मूर्ति लगाने के विरोध के कारण सुर्खियों में रहा था। बुधवार को पुलिस ने मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में मंदिर पर ताला लगाकर सील कर दिया है।

जानकारी के अनुसार सन 2010 में बसपा शासन था। तत्कालीन जिलाधिकारी अखेश कुमार सिंह ने सूझबूझ से मामला सुलझा दिया था। एसडीएम सीओ की उपस्थिति में बौद्ध धर्मावलंबियों वह हिंदू समाज के लोगों में आपसी समझौता कर दिया गया था। इस समझौते में दोनों पक्ष इस बात पर राजी हो गए थे कि यहां पर कोई नई मूर्ति नहीं लगाई जाएगी और ना ही कोई नया धार्मिक आयोजन होगा। उस समय बसपा शासन था और बौद्ध धर्मावलंबी इस आश्रम पर अपना हक बता रहे थे तथा हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा श्री रामचंद्र की मूर्ति लगवाने का प्रबल विरोध किया था। जिला प्रशासन ने आश्रम पर यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश दे दिया था। श्री रामचंद्र जी की मूर्ति काफी समय तक एक छप्पर के नीचे रखी रही थी, बाद में उसे एक मंदिर में स्थापित कर दिया गया।

ग्रामीणों के मुताबिक बुधवार को गांव में यह खबर फैल गई के आश्रम स्थित मंदिर में शिवलिंग स्वतः प्रकट हो गया है और उसकी विधिवत किसी ने रुद्राभिषेक करके और पुष्प आदि चढ़ाकर पूजा भी की है। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक मंदिर का टूटा हुआ ताला भी वहां पर पड़ा हुआ था।

इस संबंध में कोतवाल सुनील दत्त कौल ने बताया कि ग्राम प्रधान द्वारा सूचना दी गई। सूचना पर वे स्वयं आश्रम स्थल पर पहुंचे। वहां मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में मंदिर को सील कर दिया गया है और उक्त शिवलिंग को ग्राम इटारा के निकट खेमा ताली में स्थापित कर दिया गया है। सन 2010 में हुए समझौते का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है।

अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा पर षड्यंत्र : स्वामी भगवदाचार्य

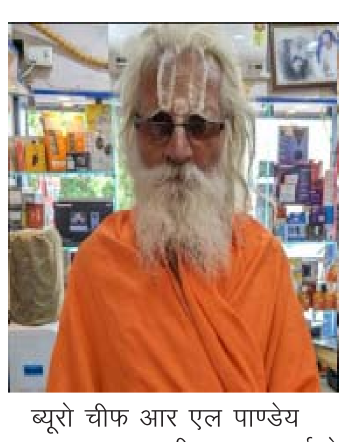

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्वामी भगवदाचार्य ने कहा कि बड़े खेद के साथ निवेदन करना पड़ता है कि श्रीरामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास की जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत गोंडा तथा पुरातन पौराणिक जन्मूतीर्थ को परिक्रमा मार्ग से अलग कर दिया गया है। जबकि सदैव इन मार्गों से अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा होती रही है। यहां साधु संतों, भक्त जनों तथा तीर्थ यात्रियों का आवागमन हमेशा से रहा है और रात्रि में तुलसी जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत गोंडा में पड़ाव भी होता रहा है। यहां सनातन धर्म परिषद एवं श्री तुलसी जन्मभूमि न्यास द्वारा विशाल भण्डारा का आयोजन भी होता था। परिक्रमा मार्ग में इन स्थानों का नाप भी किया गया था परन्तु एकाएक परिक्रमा मार्ग से हटा कर पुरातन मान्यताओं पर प्रहार किया गया है। जिससे जनमानस की भावनाएं आहत हुई हैं। अतः अविलंब दोनों स्थानों को परिक्रमा मार्ग में सम्मिलित करने का सुझाव दिया गया है। यहां महान्त श्री गया दास जी, महन्त श्री ओंकार दास जी तथा श्री सुरेन्द्र सिंह जी विहिप के नेतृत्व में अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा में यात्री गण प्रतिवर्ष पधारते हैं। डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अन्तरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री को ज्ञापन देंगे।

नशामुक्त हाफ मैराथन 19 को,दुबग्गा चौराहे से शुरू होगी दौड़

संवाददाता / लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन विकसित भारत व आत्मनिर्भर भारत व स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ भारत बनाने के लिए आगामी 19 अक्टूबर को प्रातः 5 बजे से आकाश किशोर जैबी की तीसरी पुण्य तिथि पर लखनऊ में दुबग्गा चौराहे से भिठौली होते हुए वापिस स्टार्टिंग पॉइंट तक 22 किलोमीटर की नशामुक्त हाफ मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह ने बताया कि नशामुक्त हाफ मैराथन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह के नशामुक्त भारत बनाने के अभियान को मजबूती प्रदान करेगा और देश नशामुक्त बनेगा।

नवरात्रि पर मिशन शक्ति के माध्यम से नारी सशक्तीकरण : मृत्युंजय दीक्षित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) नारी सुरक्षा तथा नारी सम्मान को बढ़ावा देने एवं स्त्रियों को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नवरात्रि के पावन अवसर पर विगत तीन वर्षों से मिशन शक्ति का आयोजन किया जाता रहा है। इस नवरात्रि पर योगी सरकार ने मिशन शक्ति अभियान के चतुर्थ चरण का श्रीगणेश किया।

प्रत्येक सनातनी की भांति प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी नवरात्रि में नौ दिनों का व्रत रखते हैं और गोरखनाथ पीठ में परम्परानुसार कन्या पूजन करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल कन्या पूजन करते हैं वरन प्रदेश की बेटियों का जीवन सुरक्षित, समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए भी वह संकल्पवान हैं। योगी जी की इच्छा है कि मां दुर्गा के नौ रूपों के अनुरूप ही प्रदेश की बेटियां का जीवन भी हो और उन्हें पर्याप्त आदर व सम्मान मिले। योगी सरकार के मिशन शक्ति अभियान और उनके द्वारा की जा रही कन्या पूजन के कारण प्रदेश का विपक्ष भी दबाव का अनुभव कर रहा है।

अपरिचित काल को करे नजरंदाज - आलोक वर्मा

अधिक पैसा पाने के लालच में पढ़ें लिखें लोग भी हो रहे ठगी के शिकार

अयोध्या। अगर आपके मोबाइल फोन पर किसी अपरिचित नंबर से लोन,धन दुगुना करना,नौकरी दिलाने के लिए कोई भी व्यक्ति द्वारा फोन आता है तो आप इस पर कोई भी ध्यान नहीं दे।नही तो फोन करने वाला व्यक्ति आपसे ठगी कर सकता है। इस तरह का मामला इस समय काफी आ रहा है।यह बातें थाना साइबर क्राइम अयोध्या परिक्षेत्र अयोध्या के प्रभारी निरीक्षक आलोक वर्मा ने बतायी।उन्होंने बताया कि इस तरह के मामले काफी आ रहे हैं।उन्होंने लोगों से अपील किया कि आप लोग पैसा दुगुना होने की लालच में न आये।क्योंकि इस समय अपरिचित लोगो द्वारा आपके फोन के वाट्सप, मैसेज पर धन दुगुना करने की बात करते हैं। पहले तो वे अपने जासे में लेने के लिए एक दो बार दो ती हजार रुपये को दुगना कर देते हैं।उसके बाद लंबी चौड़ी रकम वसूल लेते हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा ठगी करने वाले लोग मैसेंजर के माध्यम से आपको अश्लील वीडियो के माध्यम से भी आपको ठगी का शिकार कर सकते हैं। इसलिए लोगों अपरिचित लोगो के मैसेंजर से दूरी बनाए।वही अपरिचित,टेलीग्राम, फेसबुक व इंग्रास्ट्राम को लाइक करने से बचें।उन्होंने लोगों से अपील कि आप सभी अपने अपने मोबाइल के वाट्सप को दो स्टेप लाक करे और हो सके तो कपनी मोबाइल दूसरे को कतई न दे।अगर आपके साथ किसी भी तरह की ठगी हो गई हो तो इसकी शिकायत तुरंत 1930 व यूपी साइबर क्राइम.जीवोवी.इन पर आन लाइन दर्ज कराये।इसके बाद हर जिले में स्थित साइबर सेल कार्यालय में अपनी समस्या रखे।उन्होंने बताया इस प्रकार के ठगो के शिकंजे में सिर्फ अशिक्षित लोग नहीं बल्कि पढ़ें लिखें लोग भी फंस जाते हैं।जिसमें कई लोगों के लाखों रुपए फंस जाते हैं।अभी कुछ पीड़ितो का पैसा वापस कराया गया।उन्होंने बताया कि 20 सितम्बर को कोतवाली नगर में मुगलपुरा निवासी पीड़िता अवंतिका जिवानी पुत्री हरीश कुमार जिवानी की खाते में बारह लाख पच्चासी हजार रुपये वापस कराया गया।16 सितंबर को सुल्तानपुर जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र में स्थित गोलाघाट निवासी पीड़ित मनोज कुमार पुत्र राम नारायण अग्रवाल के खाते में आठ लाख इकतीस हजार नौ सौ तीस रुपए वापस कराया गया।इससे पहले 14 जुलाई को कोतवाली नगर क्षेत्र राम नगर निवासी पीड़ित सोनम जायसवाल पुत्री स्वर्गीय रवीन्द्र जायसवाल के खाते में ढेड़ लाख रुपए वापस कराया गया।

फतेहगंज रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे ओवर ब्रिज से दुर्गा पूजा एवं रामलीला के आयोजन में बनी अनेकों दुश्वारियां

अयोध्या। कोतवाली नगर क्षेत्र में फतेहगंज रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे ओवर ब्रिज की वजह से दुर्गा पूजा एवं रामलीला के आयोजन में अनेकों दुश्वारियां बनी हुई है। केंद्रीय समिति के पदाधिकारी के साथ स्थलीय निरीक्षण करते हुए केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने बताया कि ओवर ब्रिज के नीचे ही इन्हीं दुश्वारियां के बीच किसी तरह रामलीला का मंचन चल रहा है आज रात में गल्ला मंडी और पुलिस चौकी फतेहगंज तथा दालमंडी की मूर्तियां अपने पूजा स्थलों पर आनी है लेकिन ना तो सड़क ठीक किया गया है और ना ही पूजा स्थल के जगह को ही व्यवस्थित किया गया है। ज्ञात हो कि आगामी 23 अक्टूबर को इसी रास्ते से मां भगवती की प्रतिमाएं जीआईसी में विसर्जन हेतु एकत्र होने के लिए जाएगी 24 अक्टूबर को मां भगवती की विसर्जन शोभायात्रा भी इसी मार्ग से निकालनी है इसके अलावा 26 अक्टूबर को हैदरगंज और वजीरगंज जप्ति की रामलीला की शोभायात्रा भी इसी मार्ग से जाएगी। जिला प्रशासन तथा सेतु निगम के अधिकारियों से विगत 3 माह से लगातार संपर्क करके दुर्गा पूजा रामलीला के कार्यक्रम और उससे संबंधित समस्याओं के बारे में अवगत कराया गया था लेकिन सेतु निगम के अधिकारी समस्याओं के निराकरण के लिए गंभीर नहीं प्रतीत होते हैं जिससे दुर्गा पूजा और रामलीला समिति के आयोजनकर्ताओं में गहरी नाराजगी पनप रही है। श्री जायसवाल ने कहा कि जिला प्रशासन को तुरंत सेतु निगम के लापरवाही का संज्ञान लेकर समस्याओं के निराकरण के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। निरीक्षण करने वाले में केंद्रीय समिति के सहसंयोजक गगन जायसवाल, पुलिस विभाग के समन्वयक जे एन चतुर्वेदी, अखिलेश पाठक, बजरंगी साहू, सेतु निगम के एई तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट के 04 शातिर अभियुक्तों की लगभग 03 करोड 77 लाख 68 हजार 500 रुपये की अवैध संपत्तियां कुर्क

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। जनपद में अपराध नियन्त्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक हरदोई के कुशल निर्देशन मे चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी संडीला के कुशल नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक कासिमपुर द्वारा अनैतिक देह व्यापार में संलिप्त 02 शातिर अभियुक्त पुल्लु पुत्र चुन्नीलाल,सोनू पुत्र भूरे उर्फ प्रकाश निवासीगण ग्राम नटपुरवा मजरा सिकरोहरी थाना अतरौली, हरदोई के विरुद्ध अन्तर्गत धारा 14 (1) उत्तर प्रदेश गिरोहबन्द अधिनियम के तहत अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 01 करोड 76 लाख 500 रूपये की सम्पत्तियों को जिलाधिकारी हरदोई के आदेश के अनुपालन में कुर्क किया गया ।

इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक संडीला द्वारा 02 शातिर गौकश अभियुक्त शहाबुद्दीन उर्फ शाबू पुत्र मो० फरियाद निवासी ग्राम पटेला थाना खुटहन जनपद जौनपुर, समीम पुत्र मो० सलीम निवासी 116‍930 रावतपुर जनपद कानपुर नगर के विरुद्ध अन्तर्गत धारा 14 (1) उत्तर प्रदेश गिरोहबन्द अधिनियम के तहत अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 02 करोड 01 लाख 68 हजार रूपये की सम्पत्तियों को जिलाधिकारी हरदोई के आदेश के अनुपालन में कुर्क किया गया ।

अभियुक्तगण पुल्लु पुत्र चुन्नीलाल व सोनू पुत्र भूरे उर्फ प्रकाश– 'अभियुक्त पुल्लू पुत्र चुनीलाल की अनैतिक देह व्यापार के आपराधिक कृत्यों से अर्जित धन से जनपद लखनऊ में मो० भूहर नई कॉलोनी फरीदीपुर वार्ड हैदरगंज में स्थित 860 वर्ग फीट का आवासीय प्लाट को कुर्क किया गया।

अभियुक्त सोनू पुत्र भूरे की अनैतिक देह व्यापार के आपराधिक कृत्यों से अर्जित धन से जनपद लखनऊ में मो0 भूहर नई कॉलोनी फरीदीपुर वार्ड हैदरगंज में स्थित 600 वर्ग फीट का आवासीय प्लाट को कुर्क किया। अभियुक्त शहाबुद्दीन की गौकशी के आपराधिक कृत्यों से अर्जित धन से कस्बा पटैला जनपद जौनपुर में स्थित 132.89 वर्ग मीटर का आवासीय प्लाट जिसपर पक्का मकान निर्मित है को कुर्क किया गया ।

जनपद जौनपुर में स्थित 180 वर्ग फीट का व्यवसायिक भूखण्ड जिसपर दुकाने निर्मित है को कुर्क किया गया।

कस्बा पटैला जनपद जौनपुर में स्थित 0.158 हेक्टेयर कृषि भूखण्ड को कुर्क किया गया ।गुलामीपुर जनपद जौनपुर में स्थित 0.456 हेक्टेयर कृषि भूखण्ड को कुर्क किया गया । कस्बा पटैला जनपद जौनपुर में स्थित 50 वर्ग मीटर भूखण्ड जिसपर भवन निर्मित है को कुर्क किया गया।

अयोध्या की रामलीला का शुभारंभ मुख्य अतिथि उड़ीसा के गवर्नर गणेशी लाल जी ने किया

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। गणेशी लाल जी ने अयोध्या की रामलीला की कमेटी के अध्यक्ष सुभाष मालिक और शुभम मलिक को अयोध्या की रामलीला के लिए शुभकामनाएं दी और कहां दिल में बसे हैं प्रभु राम । अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला राम भक्तों ने बताया है द्यजिसकी प्रशंसा मान्य प्रधानमंत्री जी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी भी कर चुके हैंद्य अयोध्या की रामलीला को देखने कई गण मन ने व्यक्ति देश–विदेश से पहुंचेंगे और कई साधु संत भगवान राम की जन्म भूमि अयोध्या की रामलीला देखने आ रहे हैं।रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है पिछले साल अयोध्या की रामलीला को 25 करोड़ से ज्यादा राम भक्तों ने देखी थी, इस साल हमारी कोशिश है कि 50 करोड़ से ज्यादा राम भक्त अयोध्या की रामलीला मैं सभी पत्रकारों को धन्यवाद करता हूं उनकी अयोध्या की रामलीला में अहम भूमिका होती है। हमने अयोध्या की रामलीला की शुरुआत कोरोना कल में करी थी उसे समय कहीं पर भी रामलीला नहीं दिखाई जा रही थी हमने श्री राम की जन्म भूमि अयोध्या पर रामलीला की शुरुआत करी थी मुझे बहुत खुशी है कि अयोध्या की रामलीला को जो हम देखते हैं तो ऐसा लगता है जैसे भगवान पृथ्वी पर उतर आए हो। आज अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है अभी तक 25 करोड़ से ज्यादा राम भक्त इसको देख चुके हैं। अयोध्या की रामलीला को दुनिया के कोने–कोने में देखा गया है हमारी कोशिश रहती है कि अयोध्या की रामलीला का हर साल नया रूप देखने को मिले। 2020 मे 16 करोड़ से ज्यादा राम भक्तों ने देखा था। 2021 मे 22 करोड़ से ज्यादा राम भक्तों ने देखा था और 2022 में 25 करोड़ से ज्यादा अयोध्या की रामलीला को देखा था। इस साल अयोध्या की रामलीला का चौथा संस्करण है। हमे हर साल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद मिलता है अयोध्या की रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुभाष मलिक बॉबी और महासचिव शुभम मलिक ने बोला इस बार रामलीला 14 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक होगी। राम कथा पार्क नया घाट में हर साल की भांति साल भी शाम 7रू00 बजे से रात 10रू00 बजे तक लाइव हमारे यूट्यूब चौनल अयोध्या की रामलीला और दूरदर्शन पर दिखाई जा रही है और कई सैटेलाइट टीवी चौनल पर भी दिखाई जा रही है ।उत्तर प्रदेश सरकार और माननीय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और संस्कृतक मंत्री जयवीर सिंह के सहयोग से अयोध्या की रामलीला संपन्न होती है उनका हम तह दिल से धन्यवाद करते हैं। इस मौके पर अयोध्या की रामलीला के वाईस चेयरमैन करण शर्मा, प्रदीप अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, चेयरमैन राकेश बिंदल,वाईस प्रेजिडेंट संजय अग्रवाल, पीयूष और आयुष भी मौजूद थे।राकेश बिंदल, प्रदीप अग्रवाल, इंद्रजीत, पीयूष और आयुष भी मौजूद थे।

इस साल अयोध्या की रामलीला में टीवी की बड़ी हीरोइन और बड़े कलाकार कम कर रहे हैं। पूनम ढिल्लों, अमिता नागिरया, शीबा, रितु शिवपुरी, ममता सिंह, मांगिशा,पायल गोगा कपूर, प्रतिभा। गजेंद्र चौहान (राजा जनक), रजा मुराद (अहिरावण), राकेश बेदी (विभीषण), गिरिजा शंकर (रावण), अनिल धवन (इंद्रदेव), रवि किशन जी (केवट), वरुण सागर जी (हनुमान जी), सुनील पाल (नारद मुनि), राहुल भूचर (श्री राम जी), शिवा ,आकाशदीप (कुंभकरण), रूबी चौहान (मेघनाथ), मनोज बक्शी (राजा दशरथ), गुलशन पांडे, अवतार गिल, सागर, चंदन काम कर रहे हैं।

अयोध्या की रामलीला की एंट्री फ्री है। इसकी कोई भी एंट्री फीस नहीं है।अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला राम भक्तों ने बताया है अयोध्या की रामलीला का उद्देश्य यही रहता है कि करोड़ों राम भक्त जो घर में बैठे हैं वह प्रभु राम की रामलीला अपने घरों में बैठकर परिवार और बड़े बुजुर्ग के साथ मिलकर बैठकर देख सके। इस बार हमारी राम भक्तों से अनुरोध है भगवान राम की जन्म भूमि अयोध्या में ज्यादा से ज्यादा अयोध्या की रामलीला को देखा जाए और विश्व रिकॉर्ड तोड़े इस बार 50 करोड़ से भी ज्यादा देखें।

नगर में गूंजे माता के जयकारे पंडालों में मां भगवती का हो रहा आगमन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।नवरात्र के प्रथम दिन जहां नगर के 28 प्रतिमा पंडालों में मां भगवती का आगमन हो गया है और पूजा अर्चना आरंभ हो गई है वही जनपद की राम लीला भी गणेश पूजन के उपरांत प्रारंभ हो गई है। केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल के नेतृत्व में केंद्रीय समिति के सभी पदाधिकारी जोर शोर से तैयारी में लगे हुए हैं। महोत्सव से संबंधित प्रमुख कार्यों में राम पथ पर होने वाले दुर्गा पूजा आयोजन स्थलों पर समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है जिससे केंद्रीय समिति तथा आयोजन समिति के पदाधिकारी नाराज हैं। नगर निगम, विद्युत विभाग, पी डब्लू डी,वन विभाग, जल निगम नगर इकाई आदि विभागों के कार्य अत्यंत तीव्र गति से चल रहे हैं। केंद्रीय समिति सह संयोजक गगन जायसवाल ने बताया कि केंद्रीय समिति के विभाग प्रमुख जे एन चतुर्वेदी, सुप्रीत कपूर, राजेश गौड़, जनार्दन पांडे, अजय विश्वकर्मा, संजय श्रीवास्तव, रोहित अग्रवाल लगातार भ्रमणशील रहकर तैयारियों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने बताया दुर्गा पूजा की तैयारी अंतिम चरणों में है ।सभी पूजा पंडाल लगभग बनकर तैयार हो गए हैं तथा अगले दो–तीन दिनों में सभी मूर्तियां अपने अपने पूजा पंडालों में पहुंच जाएंगी। केंद्रीय समिति के जोनल प्रमुख गण अतुल सिंह, बजरंगी साहू, आलोक शंकर, राजू जायसवाल, अखिलेश पाठक, पवन निषाद, अमित कनौजिया,दीपक गौतम, चंदन गुप्ता, विशाल गुप्ता, राजेश श्रीवास्तव, सुनील मौर्या, अंजनी पांडे आदि ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने की अपील जिला प्रशासन से किया है।

नगर में गूंजे माता के जयकारे पंडालों में मां भगवती का हो रहा आगमन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।नवरात्र के प्रथम दिन जहां नगर के 28 प्रतिमा पंडालों में मां भगवती का आगमन हो गया है और पूजा अर्चना आरंभ हो गई है वही जनपद की राम लीला भी गणेश पूजन के उपरांत प्रारंभ हो गई है। केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल के नेतृत्व में केंद्रीय समिति के सभी पदाधिकारी जोर शोर से तैयारी में लगे हुए हैं। महोत्सव से संबंधित प्रमुख कार्यों में राम पथ पर होने वाले दुर्गा पूजा आयोजन स्थलों पर समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है जिससे केंद्रीय समिति तथा आयोजन समिति के पदाधिकारी नाराज हैं। नगर निगम, विद्युत विभाग, पी डब्लू डी,वन विभाग, जल निगम नगर इकाई आदि विभागों के कार्य अत्यंत तीव्र गति से चल रहे हैं। केंद्रीय समिति सह संयोजक गगन जायसवाल ने बताया कि केंद्रीय समिति के विभाग प्रमुख जे एन चतुर्वेदी, सुप्रीत कपूर, राजेश गौड़, जनार्दन पांडे, अजय विश्वकर्मा, संजय श्रीवास्तव, रोहित अग्रवाल लगातार भ्रमणशील रहकर तैयारियों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने बताया दुर्गा पूजा की तैयारी अंतिम चरणों में है ।सभी पूजा पंडाल लगभग बनकर तैयार हो गए हैं तथा अगले दो–तीन दिनों में सभी मूर्तियां अपने अपने पूजा पंडालों में पहुंच जाएंगी। केंद्रीय समिति के जोनल प्रमुख गण अतुल सिंह, बजरंगी साहू आलोक शंकर, राजू जायसवाल, अखिलेश पाठक, पवन निषाद, अमित कनौजिया,दीपक गौतम, चंदन गुप्ता, विशाल गुप्ता, राजेश श्रीवास्तव, सुनील मौर्या, अंजनी पांडे आदि ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने की अपील जिला प्रशासन से किया है।

1.20 लाख के कर्जदार किसान ने की आत्महत्या

ढ़ाई बीघा जमीन को बंधक बना कर पंजाब नेशनल बैंक से लिया था कर्ज

मझिला थाने के कुसुमा गांव का मामला, छानबीन करने में जुटी पुलिस

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)अपने हिस्से की ढ़ाई बीघा जमीन को बंधक रख कर पंजाब नेशनल बैंक से एक लाख 20 हजार का कर्ज लेने वाला किसान उसे चुका नहीं सका तो उसने गांव के किनारे फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली।इसका पता होते ही वहां अफरा–तफरी मच गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए सारे मामले की गहराई से छानबीन करनी शुरू कर दी है।

मामला मझिला थाने के कुसुम गांव का है। गांव निवासी 50 वर्षीय विद्या प्रकाश पुत्र रामप्रसाद खेती–बाड़ी करता था। वह अपने दो भाइयों में बड़ा था। शादी के कुछ दिनों बाद उसकी पत्नी उसे छोड़ कर चली गई थी। बताते हैं कि विद्या प्रकाश के हिस्से में ढ़ाई बीघा जमीन आई थी। उसने साल 2015 में पंजाब नेशनल बैंक शाखा आलमनगर से अपनी जमीन को बंधक रख कर वहां से एक लाख 20 हजार का कर्ज लिया था। बिगड़े हालात की वजह से वह कर्ज चुका नहीं सका। जिससे वह काफी परेशान रहने लगा था। उसने कुछ लोगों से अपनी परेशानी साझा भी की, लेकिन किसी ने उसे तसल्ली नहीं दी। जिसके चलते विद्या प्रकाश काफी टूट चुका था। मंगलवार को उसने गांव के बाहर साड़ी से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। इसका पता होते ही वहां अफरा–तफरी मच गई। वहां पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को अपने कब्जे में लेते हुए सारे मामले की गहराई से छानबीन करनी शुरू कर दी है।

गरबा उत्सव में महिलाये व बच्चे करेगे आज अपने हुनर का प्रदर्शन

चित्रगुप्त भगवान चित्रगुप्त जी की स्तुति और आरती के उपरांत शुरू होगी गरबा नाइट

अयोध्या ।अयोध्या कायस्थ विकास संस्थान द्वारा गरबा उत्सव गुरुवार को शाम सात बजे से शुरू होगा। गरबा नाइट के पहले भगवान चित्रगुप्त जी की स्तुति और आरती का कार्यक्रम होगा ।यह जानकारी देते हुए संगठन के अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि संगठन का यह पहला कार्यक्रम होने के नाते इसे बेहद आकर्षक ढंग से मनाने के लिए महिला विंग कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। जहां एक तरफ महिलाएं गरबा नाइट के लिए गरबा जी जान से जुटी हैं, वही समाज की बच्चियों ने डांडिया और एकल नृत्य के लिए पूरी तन्मयता से जुटी हैं। उन्होंने बताया कि गरबा उत्सव को खूबसूरत बनाने के लिए म्यूजिकल लाइट के साथ ही मैदान को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। संगठन के महामंत्री अनिल श्रीवास्तव राजू ने कहा कि इस बार के सफल कार्यक्रम के बाद अगले वर्ष बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भगवान चित्रगुप्त जी चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके डांडिया व गरबा नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम का श्री गणेश होगा । कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए साहबगंज स्थित जिला कार्यालय पर आयोजन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष जयप्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम आयोजित करके हम अयोध्या की संस्कृत को भी दर्शाने का काम उचित अवसर पर कर रहे हैं । महिला विंग की श्रीमती एकता श्रीवास्तव ने कहा कि इस आयोजन से समाज की महिलाओं में छिपी प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया जा रहा है ।बैठक में मोना श्रीवास्तव,दीपा श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव,अंजू श्रीवास्तव, भारती श्रीवास्तव, के अलावा अभय श्रीवास्तव,स्वप्निल श्रीवास्तव, शिखर श्रीवास्तव जय,ऋषभ श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, सभासद आशीष श्रीवास्तव, प्रतीक श्रीवास्तव, सीएम श्रीवास्तव,।

अयोध्या की रामलीला में जाने माने फिल्म स्टार मनोज तिवारी, गजेंद्र चौहान और शीबा ने भगवान राम का संदेश विश्व भर में राम भक्तों को दिया

प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए अयोध्या की रामलीला के अध्यक्ष सुभाष मलिक और महासचिव शुभम मलिक ने बोला मनोज तिवारी, गजेंद्र चौहान और शीबा ने भगवान राम का संदेश विश्व भर के राम भक्तों को दिया हैद्य गजेंद्र चौहान चार साल से अयोध्या की रामलीला में विभिन्न भूमिका निभाते आ रहे हैं द्य उन्होंने बोला कि मैंने महाभारत में भूमिका निभाई है पर अयोध्या की रामलीला में भूमिका निभाना और भगवान राम का संदेश राम भक्तों तक पहुंचाना मेरे लिए गर्व बात है द्य शीबा ने बोला अयोध्या की रामलीला मैं भूमिका निभाते हुए मुझे लगा जैसे मैं भगवान राम के चरणों में हूं द्य अयोध्या की रामलीला भाग्यश्री और बनवारी लाल झोल अपनी भूमिका निभा चुके हैंद्य भगवान राम की जन्म भूमि अयोध्या में विश्व की सबसे बड़ी रामलीला अयोध्या की रामलीला पिछले 4 सालों से होती आ रही हैद्य अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला राम भक्तों ने बताया है द्यजिसकी प्रशंसा मान्य प्रधानमंत्री जी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी भी कर चुके हैंद्य अयोध्या की रामलीला को देखने कई गण मन ने व्यक्ति देश–विदेश से पहुंचेंगे और कई साधु संत भगवान राम की जन्म भूमि अयोध्या की रामलीला देखने आ रहे हैं ।रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है पिछले साल अयोध्या की रामलीला को 25 करोड़ से ज्यादा राम भक्तों ने देखी थी, इस साल हमारी कोशिश है कि 50 करोड़ से ज्यादा राम भक्त अयोध्या की रामलीला मैं सभी पत्रकारों को धन्यवाद करता हूं उनकी अयोध्या की रामलीला में अहम भूमिका होती है। हमने अयोध्या की रामलीला की शुरुआत कोरोना कल में करी थी उसे समय कहीं पर भी रामलीला नहीं दिखाई जा रही थी हमने श्री राम की जन्म भूमि अयोध्या पर रामलीला की शुरुआत करी थी मुझे बहुत खुशी है कि अयोध्या की रामलीला को जो हम देखते हैं तो ऐसा लगता है जैसे भगवान पृथ्वी पर उतर आए हो। आज अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है अभी तक 25 करोड़ से ज्यादा राम भक्त इसको देख चुके हैं। अयोध्या की रामलीला को दुनिया के कोने–कोने में देखा गया है हमारी कोशिश रहती है कि अयोध्या की रामलीला का हर साल नया रूप देखने को मिले। 2020 मे 16 करोड़ से ज्यादा राम भक्तों ने देखा था। 2021 मे 22 करोड़ से ज्यादा राम भक्तों ने देखा था और 2022 में 25 करोड़ से ज्यादा अयोध्या की रामलीला को देखा था। इस साल अयोध्या की रामलीला का चौथा संस्करण है। हमे हर साल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद मिलता है अयोध्या की रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुभाष मलिक बॉबी और महासचिव शुभम मलिक ने बोला इस बार रामलीला 14 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक होगी। राम कथा पार्क नया घाट में हर साल की भांति साल भी शाम 7रू00 बजे से रात 10रू00 बजे तक लाइव हमारे यूट्यूब चौनल अयोध्या की रामलीला और दूरदर्शन पर दिखाई जा रही है

और कई सैटेलाइट टीवी चौनल पर भी दिखाई जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार और माननीय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और संस्कृतक मंत्री जयवीर सिंह के सहयोग से अयोध्या की रामलीला संपन्न होती है उनका हम तह दिल से धन्यवाद करते हैं।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।